संचार मंत्रालय
MINISTRY OF
COMMUNICATIONS
सत्यमेव जयते

संचार मंत्री का संदेश

सितंबर 2025 संस्करण

नमस्कार!

सितंबर भारतीय डाक के लिए ऐतिहासिक रूप से मील के पत्थर का माह रहा जिसके दौरान देश के भीतर हमारा रूपांतरण गहरा हुआ और वैश्विक मंच पर हमारा बढ़ता नेतृत्व चिह्नित हुआ।

दुबई में आयोजित 28वीं यूनिवर्सल पोस्टल कांग्रेस में भारत तीन ऐतिहासिक उपलब्धियों के साथ केंद्र में रहा। हमने यूपीआई-यूपीयू एकीकरण शुरू किया, जिससे वैश्विक डाक नेटवर्क में भारत की अग्रणी डिजिटल भुगतान प्रणाली को अपनाया जा सका और इस प्रकार, दुनिया भर में अंतिम मील कनेक्टिविटी को मजबूत किया जा सका। हमने सहयोग और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए वैश्विक डाक क्षेत्र के विकास का समर्थन करने के लिए 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर के योगदान की भी घोषणा की। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत को डाक संचालन परिषद (पीओसी) और प्रशासन परिषद (सीए) दोनों के लिए चुना गया, जो प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विजन के तहत भारत के बढ़ते वैश्विक नेतृत्व का प्रमाण है। 1.45 अरब लोगों की सेवा करने वाले दुनिया के सबसे बड़े डाक नेटवर्क के साथ, भारत एक आधुनिक, समावेशी और लचीली वैश्विक डाक प्रणाली में योगदान करने के लिए विशिष्ट रूप से तैनात है।

देश में हमने अपनी सेवाओं को मजबूत करना और अपने कार्यबल को सशक्त बनाना जारी रखा है। 17 सितंबर, 2025 को, भारतीय डाक ने सिम कार्डों व मोबाइल रिचार्ज सेवाओं की बिक्री के लिए 1.65 लाख डाकघरों के अपने नेटवर्क का लाभ उठाने के लिए बीएसएनएल के साथ एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस पहल से बीएसएनएल की कनेक्टिविटी को भारत के सबसे दूरदराज के कोनों तक बढ़ाया जाएगा, डिजिटल विभाजन को पाटा जाएगा और ग्रामीण परिवारों को सस्ती दूरसंचार पहुंच के साथ सशक्त बनाया जाएगा। असम में इस अवधारणा के सफल प्रमाण ने राष्ट्रव्यापी रोलआउट के लिए इस मॉडल की परिवर्तनकारी क्षमता दर्शायी है।

हम डिजिटल इंडिया इकोसिस्टम में इनोवेशन भी चला रहे हैं। डिजिपिन पहल को मजबूत करने के लिए दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं जिनमें से एक मैपमाईइंडिया के साथ और दूसरा ईएसआरआई इंडिया के साथ है। ये साझेदारी डिजिपिन को व्यापक डिजिटल प्लेटफॉर्म और मैपिंग सेवाओं में एकीकृत करते हुए पते की पहचान और नेविगेशन को अधिक मजबूत, सटीक और नागरिक-अनुकूल बनाएगी।

क्षमता निर्माण में हमारे प्रयास, विशेष रूप से हमारे ग्रामीण डाक सेवकों के लिए, जो भारतीय डाक के सच्चे योद्धा हैं और जो देश के विश्वास को हर दरवाजे तक ले जाते हैं, उतने ही महत्वपूर्ण हैं। एक व्यापक प्रशिक्षण आवश्यकता विश्लेषण ने ग्रामीण भारत के साथ अपने गहरे जुड़ाव को संरक्षित करते हुए आधुनिक कौशल के साथ उन्हें सशक्त बनाने के लिए आईजीओटी प्लेटफॉर्म पर सात नए डिजिटल पाठ्यक्रमों के निर्माण का मार्गदर्शन किया है। उन्नत डाक प्रौद्योगिकी ढांचे के तहत आंतरिक मोबाइल एप्लिकेशन पर तीन पाठ्यक्रम भी विकसित किए जा रहे हैं ताकि उन्हें नए अवसरों को अनलॉक करने और अधिक दक्षता के साथ सेवा करने में मदद मिल सके। समानांतर में, सर्कलों में विशेष विपणन प्रशिक्षण चल रहे हैं, जहां वरिष्ठ अधिकारी हमारे उत्पादों और सेवाओं के फ्रंटलाइन चैंपियन बनने में जीडीएस सहयोगियों का मार्गदर्शन और समर्थन करेंगे। राष्ट्रीय कर्मयोगी सेवा भाव कार्यक्रम के माध्यम से यह भावना आगे पोषित होती है – जो सेवा, नैतिकता और नागरिक केंद्रितता के मूल्य सिखाती है। ये सभी पहल मिलकर केवल कौशल का निर्माण नहीं कर रहे हैं; वे हमारे जीडीएस के समर्पण का जश्न मना रहे हैं और उन्हें विकसित भारत @ 2047 की दिशा में भारतीय डाक की यात्रा का नेतृत्व करने के लिए तैयार कर रहे हैं।

भारतीय डाक अब सशक्तिकरण का चालक बन गया है, वित्तीय समावेशन के लिए एक बल और हर घर की आकांक्षाओं में एक भरोसेमंद भागीदार बन गया है। यूपीयू में वैश्विक नेतृत्व से लेकर हमारे गांवों में जमीनी परिवर्तन तक, हर पहल डाक सेवा, जन सेवा की प्रकृति को दर्शाती है। आइए, हम इन मील के पत्थरों पर गर्व करें और एक ऐसे भविष्य की ओर एक साथ आगे बढ़ें जहां भारतीय डाक राष्ट्र और दुनिया के लिए विश्वास, नवाचार और सेवा का प्रतीक बना रहे।

जय हिंद!

भवदीय,
ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया
संचार मंत्री,
भारत सरकार